



भारत का राजपत्र The Gazette of India

बसाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 465]
No. 465]

नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 21, 1984/भाद्र 30, 1906
NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 21, 1984/BHADRA 30, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 1984

बीमा

क्र. आ. 729 (अ).—केन्द्रीय सरकार, साधारण बीमा कारबार (राष्ट्रीयकरण) संशोधन अध्यादेश, 1981 (1984 का अध्यादेश सं. 10) द्वारा यथा संशोधित साधारण बीमा कारबार (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1952 (1972 का 57) की धारा 17क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए साधारण बीमा (पर्यवेक्षकीय, लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारियों के वेतन और सेवा की अन्य शर्तों का मुख्यवस्थीकरण और पुनरीक्षण) स्कीम, 1974 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित स्कीम बनानी है, अर्थात् :—

1. (1) इस स्कीम का संक्षिप्त नाम साधारण बीमा (पर्यवेक्षकीय लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारियों के वेतनमान और सेवा की अन्य शर्तों का मुख्यवस्थीकरण और पुनरीक्षण) संशोधन स्कीम, 1984 है।

(2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी।

2. साधारण बीमा (पर्यवेक्षकीय, लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारियों के वेतनमान और सेवा की अन्य शर्तों का मुख्यवस्थीकरण और पुनरीक्षण) स्कीम, 1974 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के पैरा 3 में खण्ड (क) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(क) “कंपनी” से नेशनल इन्स्योरेंस कंपनी लिमिटेड, न्यू इण्डिया इन्स्योरेंस कंपनी लिमिटेड, ओरिएंटल इन्स्योरेंस कंपनी लिमिटेड और यूनाइटेड इंडिया इन्स्योरेंस कंपनी लिमिटेड अभिप्रेत है ;”।

3. उक्त स्कीम के पैरा 12 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, अर्थात् :—

“12 सेवा-निवृत्ति :— वह कर्मचारी—

(i) जो साधारण बीमा (पर्यवेक्षकीय, लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारियों के वेतनमान और सेवा की अन्य शर्तों के मुख्यवस्थीकरण और पुनरीक्षण) संशोधन स्कीम, 1984 के प्रारम्भ के ठीक पूर्व कारपोरेशन या किसी कंपनी की सेवा में है तब सेवा-निवृत्त होगा जब वह 60 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेता है ;

(ii) जो साधारण बीमा (पर्यवेक्षकीय, लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारियों के वेतनमान और सेवा की अन्य शर्तों का मुख्यवस्थीकरण और पुनरीक्षण) संशोधन स्कीम 1984 के प्रारम्भ को या उसके पश्चात् कारपोरेशन या किसी कंपनी की सेवा में सम्मिलित होता है तो वह तब सेवा निवृत्त होगा जब वह 58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेता है ;

परन्तु कर्मचारी उस मास के जिसमें वह यथास्थिति 60 वर्ष या 58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेता है, अंतिम दिन को अग्रगहन में सेवा-निवृत्त होगा।

परन्तु यह और कि साधारण बीमा (आवरण, अनुशासन और अपील) नियम 1975 की अनुसूची में विनिर्दिष्ट सक्षम प्राधिकारी, यदि उसकी यह राय है कि ऐसा करना, यथास्थिति कारपोरेशन या कंपनी के हित में है, तो वह ऐसे कर्मचारी को 55 वर्ष की आयु पूरा कर लेने पर या उसके पश्चात् किसी भी समय उसे तीन मास की मुचन या उसके बदले में अंतिम वेतन सेवा-निवृत्त होने का निदेश दे सकेगा।

4. उस स्कीम से उपाबद्ध प्रथम अनुसूची में, —

(क) महंगाई स्ला से सम्बन्धित पैरा 3 के पश्चात् निम्नलिखित पैरा अन्तर्भूत किया जायेगा अर्थात् :—

"3क. वेतन की अधिकतम सीमा:— ऐसा कोई कर्मचारी—

- (i) जो, यथास्थिति, कारपोरेशन या किसी कंपनी के पर्यवेक्षकीय या लिपिकीय कर्मचारिवृन्द में काम कर रहा है, किसी भी समय मूल वेतन, विशेष वेतन, यदि कोई है, और महंगाई भत्ते के रूप में कुल मिलाकर 2,750 रुपए प्रतिमास से अधिक की रकम प्राप्त नहीं करेगा ;
- (ii) जो, यथास्थिति, कारपोरेशन या कंपनी के अधीनस्थ कर्मचारिवृन्द में काम कर रहा है, वह किसी भी समय मूल वेतन, विशेष वेतन, यदि कोई है, और महंगाई भत्ते के रूप में कुल मिलाकर 1,600 रुपए प्रतिमास से अधिक की रकम प्राप्त नहीं करेगा ;

परन्तु जहाँ साधारण बीमा (पर्यवेक्षकीय, लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारिवृन्दों के वेतनमान और सेवा की शर्तों का मुख्यव्यवस्थापन और पुनरीक्षण) संशोधन स्कीम, 1984 के ठीक पूर्व, यथास्थिति, पर्यवेक्षकीय या लिपिकीय कर्मचारिवृन्द या अधीनस्थ कर्मचारिवृन्द में के किसी कर्मचारी को मूल वेतन, विशेष वेतन, यदि कोई हो, और महंगाई भत्ते के रूप में कुल मिलाकर यथास्थिति, 2750 रुपए प्रतिमास से अधिक की रकम या 1600 रुपए प्रतिमास प्राप्त होता है तो वह ऐसे प्रारम्भ के पश्चात् ऐसी रकम प्राप्त करता रहेगा किन्तु उतनी रकम जो, यथास्थिति 2750 रुपए प्रतिमास या 1600 रुपए प्रतिमास से अधिक है, ऐसे कर्मचारी को देय व्यक्तिगत भत्ता माना जाएगी जब तक कि वह, यथास्थिति, अधिकारी की श्रेणी में या लिपिकीय श्रेणी में प्रोन्नत नहीं हो जाता है और ऐसा भत्ता उसकी प्रोन्नति पर उसके कुल भत्तों, अर्थात् मूल वेतन विशेष वेतन, यदि कोई हो, और महंगाई भत्ते के रूप में सम्मिलित किया जाएगा।"

(ख) उपपैरा (4) के अन्तर्गत वेतन से सम्बन्धित पैरा 4 में निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

"परन्तु साधारण बीमा (पर्यवेक्षकीय, लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारिवृन्दों के वेतनमान और सेवा की शर्तों का मुख्यव्यवस्थापन और पुनरीक्षण) संशोधन स्कीम, 1984 के प्रारम्भ के पश्चात्, सहायकों या समतुल्य पदों की

श्रेणी में नियुक्त या प्रोन्नत व्यक्ति, उक्त वेतन-वृद्धि के पात्र नहीं होंगे।"

[फा. सं. 102(11)-बीमा-4/81]

एच. एम. एस. भटनागर, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st September 1984.

INSURANCE

S.O. 729 (E).—In exercise of the powers conferred by section 17A of the General Insurance Business (Nationalisation) Act, 1972 (57 of 1972), as amended by the General Insurance Business (Nationalisation) Amendment Ordinance 1984 (Ordinance No. 10 of 1984), the Central Government hereby frames the following Scheme further to amend the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Scheme, 1974, namely :—

1. (1) This Scheme may be called the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Amendment Scheme, 1984.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. In the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Scheme, 1974 (hereinafter referred to as the said Scheme), in paragraph 3, after clause (a), the following clause shall be inserted, namely :—

"(aa) "Company" means the National Insurance Company Limited, the New India Assurance Company Limited, the Oriental Insurance Company Limited and the United India Insurance Company Limited;".

3. For paragraph 12 of the said Scheme, the following paragraph shall be substituted, namely :—

"12. Retirement.—An employee—

- (i) who is in the service of the Corporation or a Company immediately before the date of commencement of the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Amendment Scheme 1984, shall retire from service when he attains the age of 60 years;
- (ii) who joins the service of the Corporation or a Company on or after the date of commencement of the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Amendment Scheme 1984, shall retire from service when he attains the age of 58 years ;

Provided that an employee shall retire on the afternoon of the last day of the month in which he attains the age of 60 years or 58 years as the case may be :

Provided further that the Competent Authority specified in the Schedule to the General Insurance (Conduct discipline and Appeal) Rules 1975,

may, if it is of the opinion that it is in the interest of the Corporation or, as the case may be, the Company, to do so, direct such employee to retire on completion of 55 years of age or at any time thereafter on giving him three months, notice or salary in lieu thereof."

4. In the First Schedule appended to the said Scheme,

(a) after paragraph III relating to Dearness Allowance the following paragraph shall be inserted, namely :—

"IIIA Maximum limit of pay.—No employee—

(i) working in the Supervisory or Clerical Staff of the Corporation or as the case may be, a Company, shall at any time, draw as basic pay, special pay, if any, and Dearness Allowance, an amount exceeding Rs. 2,750 per month in the aggregate;

(ii) working in the Subordinate Staff of the Corporation or as the case may be, a Company, shall, at any time, draw as basic pay, special pay, if any, and Dearness Allowance, an amount exceeding Rs.1,600 per month in the aggregate :

Provided that where immediately before the commencement of the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Amendment Scheme, 1984 any employee in the Supervisory or Clerical Staff or,

as the case may be, Subordinate Staff is in receipt of an amount exceeding Rs.2750 per month or, as the case may be, Rs.1600 per month in the aggregate as basic pay, special pay, if any, and Dearness Allowance, he shall continue to receive such amount after such commencement but so much of the amount as is in excess of Rs. 2750 per month or, as the case may be, Rs.1600 per month, shall be deemed to be personal allowance payable to such employee, until he is promoted to the officer's grade or, as the case may be, the clerical grade, and such allowance shall, on his promotion, be absorbed in his aggregate emoluments i.e. basic pay, special pay, if any, and dearness Allowance."

(b) in paragraph IV relating to Qualifications Pay, to sub-paragraph (4), the following proviso shall be added, namely :—

"Provided that persons appointed in or promoted to, the category of assistants or equivalent posts, after the commencement of the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) amendment Scheme 1984, shall not be eligible for the said increments."

[F. No. 102(11)-Ins.IV(84)]

H.M.S. Bhatnagar, Addl. Secy.

